INTERNATIONAL JOURNAL OF PROGRESSIVE RESEARCH IN ENGINEERING MANAGEMENT AND SCIENCE (IJPREMS)
(Int Peer Reviewed Journal)
Vol. 05, Issue 01, January 2025, pp : 900-903
e-ISSN : 2583-1062
Impact Factor : 7.001
www.ijprems.com
editor@ijprems.com

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता पर पारिवारिक शैक्षिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन

स्वाति जैन, सायदी डावर

सहायक प्राध्यापक, अरिहंत कालेज इंदौर.

एम. एड. स्टूडेंट, अरिहंत कालेज इंदौर.

DOI: https://www.doi.org/10.58257/IJPREMS38181

प्रस्तावना

शिक्षा के इतिहास से पता चलता है कि एक समय था जब स्कूल में बच्चे की बुद्धि, रुचियों और मानसिक स्थिति पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता था। शिक्षा पूरी तरह से शिक्षक-केंद्रित थी और इसका एकमात्र उद्देश्य बच्चे में किसी भी तरह तीन आर को स्थापित करना था। हालाँकि, अब शिक्षा बाल-केंद्रित हो गई है, पाठ्यक्रम बच्चे की मानसिक स्थिति, मानसिक स्तर, रुचियों और अन्य क्षमताओं और गुणों को ध्यान में रखकर बनाया जाता है। मानसिक योग्यता जिसे आज किसी की कुल योग्यता स्थिति के एक महत्वपूर्ण पहलू के रूप में पहचाना जाता है, एक बुनियादी कारक है जो शारीरिक योग्यता , सामाजिक प्रभावशीलता और शैक्षणिक उपलब्धि के रखरखाव में योगदान देता है। कुशल शिक्षण और व्यक्तित्व के समुचित विकास के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है। कुछ एजेंसियाँ हैं जो किसी व्यक्ति के अच्छे मानसिक योग्यता के विकास में मदद करती हैं, इनमें से घर और स्कूल प्रमुख हैं। घर मानसिक योग्यता की पहली एजेंसी है। एक बच्चे का जन्म ऐसे घर में होता है जहाँ वह अपनी शैशवावस्था के प्रारंभिक वर्षों में अपनी माँ के निरंतर सानिध्य में रहता है।

परंपरागत रूप से कहा जाता है कि एक मां सौ शिक्षकों के बराबर होती है। इन प्रारंभिक वर्षों में बच्चे पर जो प्रभाव और अनुभव पड़ते हैं, वे उसके दिमाग पर स्थायी और अमिट प्रभाव छोड़ते हैं। मनोविश्लेषण के दृष्टिकोण से, बचपन के शुरुआती अनुभव व्यक्तित्व के भविष्य के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। निस्संदेह, चूंकि माता-पिता शैशवावस्था के दौरान बच्चों को नियंत्रित करते हैं, इसलिए वे अपने बच्चों में सकारात्मक आदतें विकसित करने के लिए सबसे रणनीतिक स्थिति में होते हैं। स्कूल मानसिक योग्यता की दूसरी एजेंसी है। शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य व्यक्ति को बदलते परिवेश के साथ समायोजन करने में मदद करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक एकीकृत एवं संतुलित व्यक्तित्व का होना आवश्यक है। यह मानसिक योग्यता है जो एकीकृत और संतुलित व्यक्तित्व बनाने में मदद करता है और इसलिए व्यक्ति को परिवार के सदस्यों, दोस्तों, कक्षा-साथियों, शिक्षकों और समाज के अन्य सदस्यों के साथ समायोजन करने में सहायता करता है। अब शिक्षा का लक्ष्य बच्चे का संपूर्ण विकास करना है। जो बच्चे मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं होते वे पढ़ाई में पूरी रुचि नहीं ले पाते; न ही वे अपना ध्यान किताबों पर केंद्रित कर सकते हैं और इससे वे शिक्षण का अपने पूर्ण लाभ के लिए दोहन नहीं कर सकते हैं। प्रत्येक शिक्षक के लिए मानसिक योग्यता का ज्ञान होना आवश्यक है ताकि वह अपने छात्रों के मानसिक योग्यता को बनाए रखने में मदद कर सके, मानसिक बीमारी से पीड़ित छात्रों का निदान या पहचान कर सके और इस समस्या या किसी अन्य समस्या से पीड़ित छात्रों के उपचार में भी मदद कर सके।

संबन्धित साहित्य का अध्ययन

1. **राव एंड साहू (2023)** "माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वस्थ्य का अध्ययन"

निष्कर्ष.- माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वस्थ्य में सार्थक अंतर पाया गया।

2. **गुप्ता और शर्मा (2014)** "कक्षा 12 के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, अध्ययन आदतों एवं समायोजन पर पारिवारिक शैक्षिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन"

निष्कर्ष:- सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय की विद्यार्थी शिक्षक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया। सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की तुलना में गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि उच्च पाई गई। सरकारी विद्यालय के छात्रों की तुलना में सरकारी विद्यालय की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि उच्च पाई गई। गैर सरकारी विद्यालय की छात्राओं की तुलना में गैर सरकारी विद्यालय की छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि उच्च पाई गई।

3. **सिंह और यादव (2016)** "किशोर की सामान्य मानसिक योग्यता का अध्ययन"

निष्कर्ष:- छात्र-छात्राओं की सामान्य मानसिक योग्यता समान होती है। विद्यार्थियों में मानसिक योग्यता समान होती है। छात्र-छात्राओं में किशोर अवस्था में सीखने की प्रवृत्ति उनकी मानसिक योग्यता पर निर्भर करती है।

4. **तिवारी और शर्मा (2024)** "माध्यमिक स्तर के विद्यार्थीयो की शैक्षिक उपलब्धि प्रभाव का अध्ययन"। **निष्कर्ष**.- माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर ऋणात्मक किन्तु नगण्य प्रभाव पाया गया।

शोध के उद्देश्य

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता पर पारिवारिक शैक्षिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना।

न्यादर्श

इस शोध में 90 विद्यार्थियों का नमूना लिया गया है, जो विभिन्न विद्यालयों और पारिवारिक स्थितियों से होंगे। इसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया।

साक्षात्कार

शोधार्थी द्वारा साक्षात्कार विधि का प्रयोग किया गया।

औचित्य

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता पर पारिवारिक शैक्षिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन आज के समाज में अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

निम्नलिखित कारणों से इस प्रकार के अध्ययन की आवश्यकता है:

1. मानसिक योग्यता के बढ़ते मुद्दे:- आजकल, युवा और विशेष रूप से माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में मानसिक योग्यता संबंधी समस्याएँ जैसे तनाव, चिंता, अवसाद, आत्महत्या के विचार और आत्मसम्मान में कमी बढ़ रही हैं। यह समस्याएँ विद्यार्थियों की शैक्षिक और सामाजिक जीवन को प्रभावित करती हैं। पारिवारिक शैक्षिक वातावरण का मानसिक योग्यता पर क्या प्रभाव पड़ता है।

2. पारिवारिक संरचना का परिवर्तन:- समाज में पारिवारिक संरचना में बदलाव आ रहे हैं, जैसे कि एकल परिवार, माता-पिता का तलाक, या अन्य पारिवारिक तनाव। इन परिवर्तनों का प्रभाव विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता पर पड़ सकता है। इस अध्ययन से यह समझने में मदद मिल सकती है कि ये बदलाव विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता को किस प्रकार प्रभावित करते हैं।

3. शैक्षिक सफलता और मानसिक स्थिति का संबंध:- विद्यार्थियों का मानसिक योग्यता उनके शैक्षिक प्रदर्शन से गहरे जुड़े हुए हैं। मानसिक समस्याएँ, जैसे कि चिंता और तनाव, विद्यार्थियों के ध्यान, याददाश्त और
अध्ययन की क्षमता को प्रभावित करती हैं। जिससे उनके शैक्षिक परिणामों में गिरावट आ सकती है।

इस अध्ययन के द्वारा पारिवारिक शैक्षिक वातावरण और मानसिक योग्यता के बीच संबंधों को समझना, विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता को बेहतर बनाने के लिए परिवारों, शैक्षिक संस्थानों, और समाज को आवश्यक दिशा प्रदान करेगा।

एकत्रित प्रदतों के विश्लेषण हेतु प्रतिशत विधि का प्रयोग किया गया। जिसके अंतर्गत कुल 90 विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में सम्मिलित किया गया। जिसका कथनवार विवरण तालिका क्रमांक 1, 2 व 3 में प्रस्तुत किया जा रहा है। विद्यार्थियों से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर की समस्या का अध्ययन किया गया है।

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता पर पारिवारिक शैक्षिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक प्रश्नावली तैयार की गई है

तालिका क्रमांक 1

पारिवारिक वातावरण

क्रं.	प्रश्न	हाँ	नहीं
1	आपके परिवार में कितने सदस्य आपको बुद्धिमान मानते है	74%	26%
2	क्या परिवार के सदस्य आपको अच्छा मानते है ?	81%	19%
3	आपके परिवार का शैक्षिक वातावरण का प्रभाव अच्छा है	78%	22%
4	क्या आपके परिवार में किसी सदस्य का मानसिक योग्यता संबंधी कोई समस्या रही है?	70%	30%
5	क्या आपके परिवार में कभी मानसिक योग्यता के बारे में चर्चा होती है?	65%	35%
6	क्या आपके परिवार में तनावपूर्ण या विवादित स्थिति होती है?	30%	70%

कथन 1 आपके परिवार में कितने सदस्य आपको बुद्धिमान मानते है 74% छात्रों को परिवरे वाले बुद्धिमान मानते है जबकि 26% विद्यार्थियों को परिवार वाले बुद्धिमान नहीं मानते है।

कथन 2 परिवार के सदस्य आपको अच्छा मानते है 81% छात्रों को परिवरे वाले अच्छा मानते है जबकि 19% विद्यार्थियों को परिवार वाले अच्छा नहीं मानते है।

कथन 3 आपके परिवार का शैक्षिक वातावरण का प्रभाव अच्छा है 78% छात्रों के परिवार वालों का वातावरण अच्छा है जबकि 22% छात्रों के परिवार वालों का वातावरण अच्छा नहीं है।

कथन 4 आपके परिवार में किसी सदस्य का मानसिक योग्यता संबंधी कोई समस्या रही है 70% छात्रों को परिवरे मानसिक योग्यता संबंधी कोई समस्या नहीं है जबकि 30 % छात्रों को परिवरे मानसिक योग्यता संबंधी कोई समस्या है

कथन 5 क्या आपके परिवार में कभी मानसिक योग्यता के बारे में चर्चा होती है? 65% विद्यार्थियों के परिवार में मानसिक योग्यता के बारे में चर्चा होती है जबकि 35% विद्यार्थियों के परिवार में मानसिक योग्यता के बारे में चर्चा नहीं होती है।

कथन 6 क्या आपके परिवार में तनावपूर्ण या विवादित स्थिति होती है 30% विद्यार्थियों के परिवार में तनावपूर्ण या विवादित स्थिति होती है जबकि 70% परिवार में तनावपूर्ण या विवादित स्थिति नहीं होती है।

तालिका क्रमांक 2

मानसिक योग्यता

क्रं.	प्रश्न	हाँ	नहीं
1	क्या आप अपने मानसिक योग्यता को अच्छा मानते हैं?	68%	32%

2	क्या आप कभी तनाव, चिंता, या अवसाद का अनुभव करते हैं?	30%	70%
3	जब आप तनाव या चिंता महसूस करते हैं	33%	67%
4	क्या पारिवारिक शैक्षिक वातावरण ने आपके मानसिक योग्यता को प्रभावित किया है?	40%	60%

कथन 1 आप अपने मानसिक योग्यता को अच्छा मानते हैं 68% विद्यार्थी अपने मानसिक योग्यता को अच्छा मानते हैं जबकि 32% विद्यार्थी अपने मानसिक योग्यता को अच्छा नहीं मानते हैं।

कथन 2 आप कभी तनाव, चिंता, या अवसाद का अनुभव करते हैं 30% विद्यार्थी तनाव, चिंता, या अवसाद का अनुभव करते हैं जबकि 70% विद्यार्थी तनाव, चिंता, या अवसाद का अनुभव करते नहीं करते हैं।

कथन 3 पारिवारिक शैक्षिक वातावरण ने आपके मानसिक योग्यता को प्रभावित किया है 40% विद्यार्थीयों के मानसिक योग्यता को पारिवारिक शैक्षिक वातावरण प्रभावित करता है जबकि विद्यार्थीयों के मानसिक योग्यता को पारिवारिक शैक्षिक वातावरण प्रभावित नहीं करता है।

तालिका क्रमांक 3

3 समग्र प्रभाव

क्रं.	प्रश्न	हाँ	नहीं
1	क्या आपको लगता है कि आपके परिवार का वातावरण आपके अकादमिक प्रदर्शन पर प्रभाव डालता है?	44%	66%
2	क्या आपके परिवार के सदस्य आपकी मानसिक स्थिति और भावनाओं को समझते हैं?	71%	29%
3	क्या आप महसूस करते हैं कि पारिवारिक समर्थन से आपके मानसिक योग्यता में सुधार हो सकता है?	65%	35%

कथन 1 आपको लगता है कि आपके परिवार का वातावरण आपके अकादमिक प्रदर्शन पर प्रभाव डालता है 44% विद्यार्थियों को परिवार का वातावरण अकादमिक प्रदर्शन पर प्रभाव डालता है जबकि 66% परिवार का वातावरण अकादमिक प्रदर्शन पर प्रभाव डालता है।

कथन 2 आपके परिवार के सदस्य आपकी मानसिक स्थिति और भावनाओं को समझते हैं 71% विद्यार्थियों के परिवार के सदस्य की मानसिक स्थिति और भावनाओं को समझते है। जबकि 29% विद्यार्थियों के परिवार के सदस्य की मानसिक स्थिति और भावनाओं को नहीं समझते है।

कथन 3 आप महसूस करते हैं कि पारिवारिक समर्थन से आपके मानसिक योग्यता में सुधार हो सकता है 65% विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता के सुधार में परिवार समर्थन करता है जबकि 35% विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता के सुधार में परिवार समर्थन नहीं करता है।

निष्कर्ष

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता पर पारिवारिक शैक्षिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन यह दर्शाता है कि पारिवारिक शैक्षिक वातावरण विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता को गहरे और महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। इस अध्ययन से निम्नलिखित प्रमुख निष्कर्ष निकलते हैं:

1. पारिवारिक शैक्षिक वातावरण का सीधा प्रभाव: एक सकारात्मक और सहायक पारिवारिक वातावरण, जिसमें प्रेम, समझदारी और समर्थन हो, विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता में सुधार कर सकता है। इसके विपरीत, पारिवारिक संघर्ष, तनाव और असहमति विद्यार्थियों में मानसिक समस्याओं जैसे तनाव, चिंता और अवसाद को उत्पन्न कर सकते हैं।

2. माता-पिता का व्यवहार महत्वपूर्ण है: अभिभावकों का व्यवहार, जैसे कि उनकी संचार शैली, बच्चों के प्रति ध्यान और समर्थन, बच्चों के मानसिक योग्यता को प्रभावित करता है। वे परिवार में बच्चों के लिए आदर्श होते हैं और उनके मानसिक विकास पर उनका गहरा प्रभाव पड़ता है। अत: माता-पिता को अपने बच्चों के मानसिक योग्यता के प्रति अधिक संवेदनशील और सहायक होने की आवश्यकता है।

5. सकारात्मक पारिवारिक शैक्षिक वातावरण के लाभ: सकारात्मक पारिवारिक शैक्षिक वातावरण में रहने वाले विद्यार्थी मानसिक रूप से अधिक स्थिर, आत्मविश्वासी और खुशहाल होते हैं। उन्हें तनाव से निपटने के लिए सहायक संसाधन मिलते हैं, और वे अपने जीवन में बेहतर निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। ऐसे वातावरण में रहने वाले विद्यार्थियों का शैक्षिक प्रदर्शन भी बेहतर होता है।

पारिवारिक वातावरण, विशेष रूप से पारिवारिक संबंधों, अभिभावकों के व्यवहार, और पारिवारिक समर्थन, विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता पर गहरा प्रभाव डालते हैं। एक सहायक और समझदारीपूर्ण पारिवारिक शैक्षिक वातावरण विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता को मजबूत करता है और उन्हें जीवन में मानसिक रूप से स्वस्थ और संतुलित बनाने में मदद करता है।

सुझाव

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता पर पारिवारिक शैक्षिक वातावरण के प्रभाव को समझने के बाद, निम्नलिखित सुझाव दिए जा सकते हैं, जो विद्यार्थियों के मानसिक योग्यता को बेहतर बनाने और परिवारों के वातावरण को सहायक बनाने में मदद कर सकते हैं:

1. माता-पिता और अभिभावकों के लिए मानसिक योग्यता शिक्षा: माता-पिता को बच्चों के मानसिक योग्यता के महत्व के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। उन्हें यह समझाया जाना चाहिए कि उनका व्यवहार, संवाद शैली, और बच्चों के साथ बिताया गया समय उनके मानसिक विकास को प्रभावित करता है। मानसिक योग्यता और भावनात्मक समर्थन के बारे में कार्यशालाएँ और सेमिनार आयोजित किए जा सकते हैं ताकि वे बेहतर तरीके से अपने बच्चों की देखभाल कर सकें।

2. सकारात्मक पारिवारिक शैक्षिक वातावरण का निर्माण: पारिवारिक तनाव और संघर्षों को कम करने के लिए परिवारों में सकारात्मक संवाद, समझदारी और सहानुभूति को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। बच्चों के साथ अधिक समय बिताने, उनकी भावनाओं को समझने और उनके विचारों का सम्मान करने से उनके मानसिक योग्यता में सुधार हो सकता है।

3. माता-पिता और स्कूल के बीच सहयोग: माता-पिता और विद्यालयों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए। दोनों को एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है ताकि बच्चों के मानसिक योग्यता की निगरानी की जा सके और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन दिया जा सके।

पारिवारिक शैक्षिक वातावरण और मानसिक योग्यता के बीच एक गहरा संबंध है। यदि परिवारों और शैक्षिक संस्थानों में उपयुक्त समर्थन, मार्गदर्शन और शिक्षा दी जाए, तो विद्यार्थियों का मानसिक योग्यता बेहतर हो सकता है, जिससे वे शैक्षिक, सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

संदर्भ सूची

- पाल, रोमा एवं तिवारी, रमा-सामान्य मानसिक योग्यता परीक्षण, आगरा, आगरा मनोविज्ञान शोध केंद्र।
- लॉरेंस (1979). उपलब्धि की भविष्यवाणी के आधार पर तरल बुद्धि तथा ठोस वृद्धि का परीक्षण, लघु शोध अंतराष्ट्रीय ऐब्सट्रेक्ट, 39 (12) भाग 1, 7237-ए।
- कौर. जे. (2002) बुद्धि तथा शैक्षणिक उयलब्धि में सम्बन्धों का अध्ययन, अप्रकाशित लघु शोध, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़।
- देवी सरिता और मयूरी (2002). छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर परिवार तथा विद्यालय कारकों का अध्ययन, जनरल आफ कम्युनिटी निर्देशन तथा शोध, 20, 139-148।
- पॉल, रोमा एवं तिवारी रमा manual for general mental ability Test (GMAT), आगरा, आगरा मनोविज्ञान शोध केंद्र।
- मंगल, एस. के. (2000). शिक्षा मनोविज्ञान, नई दिल्ली, प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया।
- गुप्ता. एस. पी. (2009). उचत्तर शिक्षा मनोविज्ञान, नई-दिल्ली सुल्तान चंद्र।
- बेगम तथा फुकन (2005). शैक्षणिक उपलब्धि तथा वृद्धि के बीच संबंधों का अध्ययन, भारतीय मनोविज्ञान साहित्य 65 (257-269)।
- शाहने (1989) बुद्धि परीक्षण अप्रकाशित पी.एचडी. शोधग्रंथ, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़।
- लाठा, स्वरना तथा जानकी (2008). छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक उपलब्धि का अध्ययन, मनोविज्ञान शोध जर्नल vol. 52 No. 2, 127-130.
- शर्मा, आर. ए. (2012). शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व एवं शोध प्रक्रिया, मेरठ, आर. एल. बूक डिपो।
- सिंह,बी. (2006). फाइन आर्टके छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक उपलब्धि में अंतर का अध्ययन, अप्रकाशित लघु शोध, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़।
- Simpson (1999) “Relationship between academic achievement and intelligence, Creativity, Motivation and gender role of gifted children.” Dissertation Abstract International, 59(10), 3737.
- Dhunna (2000). “Intelligence affect significantly on achievement in algebraic concept”, Unpublished doctoral dissertation, Punjab University Chandigarh.
- कपिल एच. के. : (2006) "अनुसंधान विधियाँ" एच. पी भार्गव बुक हाउस, आगरा।
- बेस्ट,जॉन डब्ल्यू.: (1997) "रिसर्च इन एजुकेशन" पिटिंग हाल प्रा. लि., नई दिल्ली।
- पाठक पीड़ी: (2007) “शिक्षा मनोविज्ञान” विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- शर्मा, आर. ए., : (2009) “शिक्षा अनुसंधान” आर लाल बुक डिपो, मेरठ।
- श्रीवास्तव डी. एस. एवं प्राति : (2014) “शिक्षा मनोविज्ञान” विनोद पुस्तक मंदिर।
- भटनागर आर. पी. तथा मीनाक्षी, : (2007) “शिक्षा अनुसंधान” लायक बुक डिपो, मेरठ।
- शर्मा डी. एल., : (2005) “शिक्षा तथा भारतीय समाज” सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ।
- भटनागर, चांद तथा राय पारसनाथ: (1977) “अनुसंधान परिचय” एल. एन. अग्रवाल पब्लिशर्स आगरा।
- माथुर, एस. एस. : (1993) “शिक्षा मनोविज्ञान” विनोद पुस्तक प्रकाशन आगरा।
- जयसवाल, सीताराम: (1990) “शिक्षा में निर्देशन और परामर्श” विनोद पुस्तक प्रकाशन आगरा।